Gyanshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
Available online at : www.gisrrj.com
OPEN ACCESS
ISSN : 2582-0095
doi : https://doi.org/10.32628/GISRRJ

दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्रशिक्षित बी0 एड0 प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता और शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सहसंबंध का अध्ययन

विकास कुमार सिंह
शोध छात्र (शिक्षाशास्त्र)
नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय, कोटवा-जमुनीपुर दुबावल, प्रयागराज।

डॉ0 पवन कुमार दुबे
(सहायक आचार्य) शिक्षक-शिक्षा विभाग
नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय, कोटवा-जमुनीपुर दुबावल, प्रयागराज।

Article Info

Article History
Accepted : 20 Sep 2024
Published : 05 Oct 2024

Publication Issue :
Volume 7, Issue 5
September-October-2024

Page Number : 51-55

सारांश – अध्ययनकर्ता ने "संस्थागत और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्रशिक्षित बी॰ एड॰ प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता और शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सहसंबंध का अध्ययन'' है। इस अध्ययन में अध्ययनकर्ता ने वर्णनात्मक अनुसंधान के अंतर्गत सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया है। प्रस्तुत अध्ययन में अध्ययनकर्ता ने सम्भाव्य विधि के अंतर्गत आने वाले सरल यादृच्छिक न्यादर्शन (Simple Randaom Sampling) विधि का प्रयोग किया है। इसके अंतर्गत प्रयागराज जनपद में स्थित 02 दूरस्थ प्रशिक्षण संस्थानों से 200 प्रशिक्षणार्थियों को न्यादर्श हेतु चुना गया है। डा॰ शालू पुरी और प्रो॰एस॰सी॰ गाखर द्वारा निर्मित एवं प्रमापीकृत शिक्षक प्रभावशीलता मापनी, तथा स्वनिर्मित शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति मापनी का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में दो चरों के मध्य सहसंबंध ज्ञात करने के लिए कार्ल पियर्सन द्वारा प्रतिपादित गुणनफल आघूर्ण सहसंबंध गुणांक की गणना की गयी है। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्रशिक्षित बी0 एड्0 प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता तथा शिक्षण के प्रति उनकी अभिवृत्ति के मध्य अल्प सकारात्मक संबंध परिकल्पना के निष्कर्ष स्वरूप यह स्पष्ट होता है। हालांकि, यह संबंध अत्यधिक सशक्त नहीं होने के कारण यह सुझाव दिया जाता है कि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में कुछ सुधार और अधिक प्रभावी शिक्षण रणनीतियों को अपनाने की आवश्यकता है, जिससे प्रशिक्षुओं की शिक्षण प्रभावशीलता को और अधिक बढ़ाया जा सके।

मुख्य शब्द- दूरस्थ शिक्षा, बी॰ एड॰ प्रशिक्षणार्थियों, शिक्षण प्रभावशीलता, शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति, सहसंबंध।

Copyright © 2024 The Author(s): This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution **4.0 International License (CC BY-NC 4.0)**

प्रस्तावना– "शिक्षण एक सामाजिक और आध्यात्मिक प्रक्रिया है, जिसमें ज्ञान को जीवन से जोड़ने का कार्य किया जाता है। इस प्रक्रिया का माध्यम शिक्षक होता है, जो इसके केंद्र में स्थित होता है। शिक्षक शिक्षण प्रक्रिया का आधारभूत स्तंभ है, जिसके चारों ओर शिक्षण का सम्पूर्ण चक्र निरंतर चलता रहता है। उसे राष्ट्र निर्माता कहा जाता है, क्योंकि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण और उनके विकास में उसकी भूमिका सर्वोपरि होती है। भारतीय परंपरा में गुरु को देवता के समान आदरणीय माना गया है और उसे सर्वोच्च स्थान प्रदान किया गया है।"

शिक्षण का सामान्य अर्थ यह है कि बच्चों को विभिन्न विषयों का ज्ञान दिया जाए, लेकिन यह परिभाषा शिक्षण के समग्र पहलुओं को स्पष्ट नहीं करती है। डॉ. माथुर ने इस विषय पर बहुत प्रभावशाली ढंग से अपनी बात रखी है। उनके अनुसार, "आज के समय में शिक्षण का मतलब यह नहीं है कि हम बच्चों के मस्तिष्क को व्यर्थ और अव्यावहारिक ज्ञान से भर दें।" शिक्षण का वास्तविक उद्देश्य यह है कि बच्चों को ऐसे अवसर प्रदान किए जाएं, जिससे वे अपनी उम्र और स्वभाव के अनुसार समस्याओं का समाधान ढूंढ सकें। शिक्षण का उद्देश्य बच्चों को स्वयं योजना बनाने, आवश्यक सामग्री जुटाने, उसे व्यवस्थित करने और उसे कार्यान्वित करने की क्षमता प्रदान करना है, ताकि वे इसे भविष्य में फिर से उपयोग कर सकें।

प्रभावशाली शिक्षण के लिए शिक्षक को शिक्षण के उद्देश्य, शिक्षण प्रक्रिया के विभिन्न चरणों और उनके कार्यों, शिक्षण संरचना, और विभिन्न अवस्थाओं एवं क्रियाओं का गहरा ज्ञान होना चाहिए। हालांकि, इन सभी तत्वों की समझ होने के बावजूद यह आवश्यक नहीं है कि शिक्षण हर बार प्रभावशाली हो, क्योंकि शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले अन्य कई कारक होते हैं। इन कारकों में कुछ प्रत्यक्ष होते हैं, जबकि कुछ अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव डालते हैं। इस प्रकार, शिक्षण की प्रक्रिया में आने वाली विभिन्न समस्याओं और बाधाओं का समाधान केवल शिक्षक अकेले नहीं कर सकते। इसके लिए पूरे शिक्षा तंत्र का सहयोग और समर्थन अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।

अभिवृत्ति वास्तव में एक मनो–सामाजिक प्रत्यय (Psycho–Social Concept) है जो विभिन्न परिस्थितियों में व्यक्ति के द्वारा किये जाने वाले व्यवहार की प्रवृत्ति को प्रदर्शित करती है । विभिन्न वस्तुओं, व्यक्तियों, संस्थाओं, स्थितियों, क्रियाकलापों, योजनाओं आदि के प्रति व्यक्ति विशेष के विचार व पूर्व धारणायें ही उस व्यक्ति की अभिवृत्तियों का निर्धारण करते हैं। अभिवृतियों के ज्ञान की सहायता से व्यक्ति के व्यवहार का पूर्व विश्लेषण करना संभव होता है। मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र जैसे सामाजिक विज्ञान के अध्ययन में Random को एक अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान दिया जाता है। यही कारण है कि अभिवृतियों के ज्ञान, तुलना व विभित्र चरों में उनके सम्बन्धों का अध्ययन करना मनोवैज्ञानिक माययाक्षिके लिए सदैव ही एक महत्वपूर्ण व रुचिकर विषय रहा है। अभिवृतियों के अध्ययन के लिए जहाँ एक और उनके सैद्धान्तिक विवेचन की आवश्यकता होती है, वहीं दूसरी ओर उनके मापन का भी प्रश्न उठता है। नि:सन्देह शिक्षा मनोविज्ञान में अभिवृतियों का अपना एक विशेष महत्व है।

शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं में प्राय: ऐसा देखा गया है कि उनकी पहली पसंद संस्थागत शिक्षण संस्थान होते हैं परंतु कुछ ऐसे युवा भी है जो किन्ही अन्य व्यवसाय में लगे होने के कारणअथवा शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान दूर होने के कारण दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं।जो युवा संस्थागत प्रशिक्षण संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं वे अधिक समय तक अपनी शिक्षकों के बीच रहकर एवं अपने सहपाठियों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अभ्यास करते हुए अनेक प्रकार के एवं सूक्ष्म से सूक्ष्म शिक्षण कौशलों का ज्ञान प्राप्त करने में आसानी होती है। वास्तव में इस प्रकार की भिन्नता है अथवा नहीं इस बातों को समझने के लिए शोधार्थी अपने अध्ययन के विषय के रूप में दूरस्थ शिक्षा के द्वारा प्रशिक्षित बी0 एड्0 प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सहसंबंध अध्ययन करने की आवश्यकता महसूस हुई।

अध्ययन के उद्देश्य

1- दूरस्थ शिक्षा के द्वारा प्रशिक्षित बी0 एड्0 प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति में सहसंबंध ज्ञात करना ।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ

1. दूरस्थ शिक्षा के द्वारा प्रशिक्षित बी0 एड्0 प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं है ।

अध्ययन विधि – प्रस्तुत अध्ययन का शीर्षक "संस्थागत और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्रशिक्षित बी॰ एड॰ प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता और शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सहसंबंध का अध्ययन'' है। इस अध्ययन में अध्ययनकर्ता ने वर्णनात्मक अनुसंधान के अंतर्गत सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया है।

जनसंख्या – प्रस्तुत अध्ययन में अध्ययनकर्ता ने सम्भाव्य विधि के अंतर्गत आने वाले सरल यादृच्छिक न्यादर्शन (Simple Randaom Sampling) विधि का प्रयोग किया है।इसके अंतर्गत प्रयागराज जनपद में स्थित 02 दूरस्थ प्रशिक्षण संस्थानों से 200 प्रशिक्षणार्थियों को न्यादर्श हेतु चुना गया है।

न्यादर्श का चुनाव- प्रस्तुत अध्ययन में अध्ययनकर्ता ने सम्भाव्य विधि के अंतर्गत आने वाले सरल यादृच्छिक न्यादर्शन(Simple Random Sampling) विधि का प्रयोग किया है।इसके अंतर्गत प्रयागराज जनपद में स्थित 02 दूरस्थ प्रशिक्षण संस्थानों से क्रमश: 200 प्रशिक्षणार्थियों को न्यादर्श हेतु चुना गया है ।

उपकरण- डा॰ शालू पुरी और प्रो॰एस॰सी॰ गाखर द्वारा निर्मित एवं प्रमापीकृत शिक्षक प्रभावशीलता मापनी, तथा स्वनिर्मित शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति मापनी का प्रयोग किया गया है।

प्रयुक्त सांख्यकीय विधियाँ- प्रस्तुत अध्ययन में दो चरों के मध्य सहसंबंध ज्ञात करने के लिए कार्ल पियर्सन द्वारा प्रतिपादित गुणनफल आघूर्ण सहसंबंध गुणांक की गणना की गयी है।

आकड़ों का विश्लेषण और व्याख्या

1. परिकल्पना 1-दूरस्थ शिक्षा के द्वारा प्रशिक्षित बी0 एड्0 प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं है ।

तालिका 1. दूरस्थ शिक्षा के द्वारा प्रशिक्षित बी0 एड्0 प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सार्थक सहसंबंध का विवरण

पैरामीटर	**मान**
पियर्सन सहसंबंध गुणांक (r)	**0.1252**
r^2	**0.01569**
पी-मूल्य	**0.07722**
सहप्रसरण	**5.0981**
नमूना आकार (N)	**200**
सांख्यिकीय	**1.7763**

पियर्सन सहसंबंध के परिणामों से संकेत मिलता है कि दूरस्थ शिक्षा के द्वारा प्रशिक्षित बी0 एड्0 प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य अल्प सकारात्मक संबंध है ।

शिक्षण प्रभावशीलता और शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति, $r(198) = .125$, p value = .077

ग्राफ -1

दूरस्थ शिक्षा के द्वारा प्रशिक्षित बी0 एड्0 प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता तथा शिक्षण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य सहसंबंध

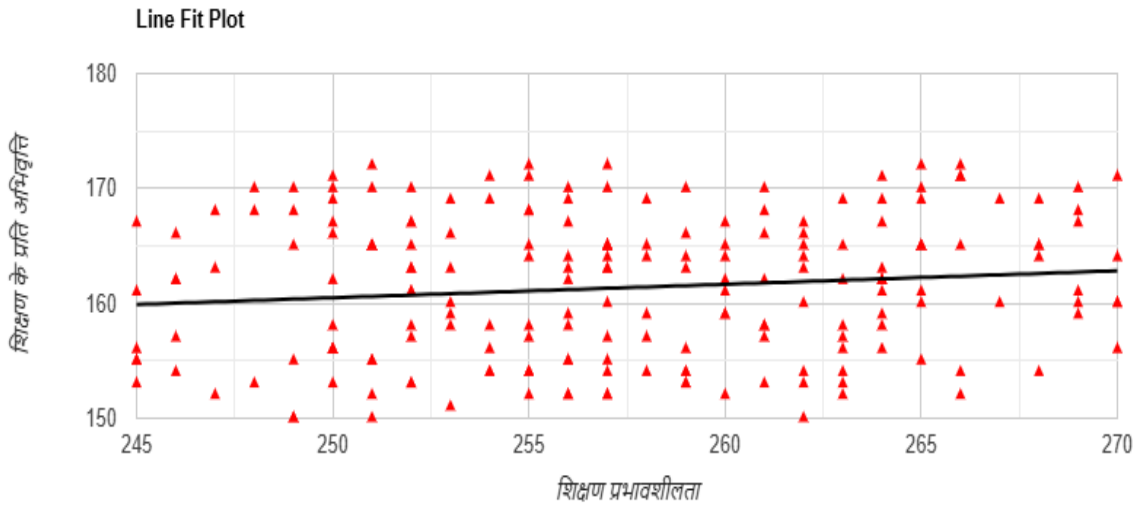

निष्कर्ष – दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्रशिक्षित बी0 एड्0 प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता तथा शिक्षण के प्रति उनकी अभिवृत्ति के मध्य अल्प सकारात्मक संबंध परिकल्पना के निष्कर्ष स्वरूप यह स्पष्ट होता है कि हालांकि दूरस्थ शिक्षा पद्धति के अंतर्गत प्राप्त प्रशिक्षण से शिक्षण प्रभावशीलता में कुछ हद तक सुधार होता है, किंतु यह प्रभाव अत्यधिक प्रबल नहीं है। अध्ययन से यह संकेत मिलता है कि प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता और शिक्षण के प्रति उनकी अभिवृत्ति के बीच एक हल्का सकारात्मक संबंध अवश्य पाया जाता है, जो दर्शाता है कि जिन शिक्षकों की अभिवृत्ति शिक्षण के प्रति अधिक अनुकूल होती है, उनकी प्रभावशीलता भी अपेक्षाकृत बेहतर होती है।

हालांकि, यह संबंध अत्यधिक सशक्त नहीं होने के कारण यह सुझाव दिया जाता है कि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में कुछ सुधार और अधिक प्रभावी शिक्षण रणनीतियों को अपनाने की आवश्यकता है, जिससे प्रशिक्षुओं की शिक्षण प्रभावशीलता को और अधिक बढ़ाया जा सके।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. इंद्र, आर. (2015): बी0 एड्0 प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन,एजुकेशन वर्ल्ड, भोपाल ।
2. गर्ग, ए. (2019): दूरस्थ शिक्षा में शिक्षण अभिवृत्ति और दक्षता का विश्लेषण,शिक्षा निकेतन, मेरठ ।
3. गोयल, आर. (2014):बी0 एड्0 प्रशिक्षुओं की शिक्षण प्रभावशीलता और अभिवृत्ति का अध्ययन: संस्थागत बनाम दूरस्थ शिक्षा. Journal of Educational Psychology and Research, 2(4), 205-210.

4. चौधरी, एन. (2017): संस्थागत और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से बी0 एड्0 प्रशिक्षुओं की शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन. Indian Journal of Educational Studies, 5(3), 175-180.
5. दत्ता, एस. (2016): शिक्षण दक्षता और प्रभावशीलता: बी0 एड्0 प्रशिक्षणार्थियों का अध्ययन, नॉलेज हब, शिलांग ।
6. बत्रा, एम. (2017): दूरस्थ शिक्षा में बी0 एड्0 प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता का विश्लेषण, लर्निंग पब्लिशिंग हाउस, अमृतसर ।
7. राय, एम. (2016): दूरस्थ शिक्षा में बी0 एड्0 प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता का मूल्यांकन, नॉलेज पब्लिशिंग, गुवाहाटी ।
8. लाल, वी. (2016): दूरस्थ शिक्षा में बी0 एड्0 प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन,एकेडमिक पब्लिशिंग हाउस, चेन्नई ।
9. शर्मा, ए. (2019): संस्थागत बनाम दूरस्थ शिक्षा: शिक्षण अभिवृत्ति का अध्ययन,लर्निंग प्रेस, देहरादून ।
10. श्रीवास्तव, बी. (2015): बी0 एड्0 प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण अभिवृत्ति पर उनकी मानसिक योग्यता का प्रभाव.शोधगंगोत्री, 8, 1-10.